बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-351**
27/05/2026

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं के उत्थान के लिये सरकार प्रतिबद्ध है :– मुख्यमंत्री

- जनजतीय क्षेत्रों में मैराथन का होगा आयोजन। प्रथम विजेता को 1 लाख, द्वितीय विजेता को 75 हजार एवं तृतीय विजेता को 50 हजार रूपये का मिलेगा इनाम।
- वाल्मीकिनगर तथा कैमूर में हेलीपोर्ट बनाये जायेंगे, इससे इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा।
- आदिवासी समाज के बीच पर्यटकों के लिये होम स्टे को बढ़ावा दिया जायेगा, इससे लोग आदिवासी संस्कृति को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।
- राज्य सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति के तहत लगभग 1 लाख 4 हजार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं को लाभ दिया गया है जिसमें 4 हजार 155 अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्रा हैं।
- प्री–मैट्रिक छात्रवृति के तहत इस वर्ष 20 लाख 46 हजार छात्र–छात्राओं को लाभ दिया गया है, जिसमें 1 लाख 41 हजार अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्रा हैं।

पटना, 27 मई 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद सभागार' में जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के अन्तर्गत 'बिरसा लिब्स इन न्यू भारत' थीम के तहत प्रवेशिकोत्तर छात्रवृति के लाभुकों के साथ संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत–समृद्ध बिहार की कल्पना के साथ 'बिरसा लिब्स इन न्यू भारत' थीम के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना का आज शुभारंभ किया गया है। यह अपने आप में ऐतिहासिक है। यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया जा रहा है जिसकी शुरूआत पिछले वर्ष 15 नवम्बर को आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया था। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को हुआ था। देश की आजादी और आदिवासी समाज के उत्थान में भगवान बिरसा मुंडा का बड़ा योगदान रहा है। जब वे अंग्रेजों के खिलाफ आन्दोलन कर रहे थे तो उन्हें जेल में डाल का प्रताड़ित किया गया। वे आदिवासी समाज के नायक थे, जिन्होंने जनजातीय समाज के उत्थान के लिये संघर्ष किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बंटवारे के बाद झारखण्ड राज्य की स्थापना हुई और बिहार का हरित आवरण क्षेत्र 8 से 9 प्रतिशत ही शेष रह गया। आदरणीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने वन क्षेत्र के आच्छादन में वृद्धि के लिये काम किया और राज्य का वन क्षेत्र

15 प्रतिशत हो गया। हमलोगों का लक्ष्य इसे 17 प्रतिशत करने का है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भगवान बिरसा मुंडा को याद कर अनुसूचित जनजाति समाज के छात्र–छात्राओं को मुख्य धारा में लाने के लिये काम कर रहे हैं। जमीनी स्तर पर भी उसके लिये काम किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा बिहार में एकलव्य स्कूलों की स्थापना की गयी है जिसमें बिहार बोर्ड के साथ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के सिलेबस की पढ़ायी करायी जायेगी जिससे अनुसूचित जनजाति समाज के बच्चे आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति के तहत लगभग 1 लाख 4 हजार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्राओं को लाभ दिया गया है जिसमें 4 हजार 155 अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्रा हैं। प्री–मैट्रिक छात्रवृति के तहत इस वर्ष 20 लाख 46 हजार छात्र–छात्राओं को लाभ दिया गया है, जिसमें 1 लाख 41 हजार अनुसूचित जनजाति के छात्र–छात्रा हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में भी आदिवासी समाज के लोगों की आबादी करीब 20 हजार है। आदिवासी समाज को आगे बढ़ाने के लिये हमलोग काम कर रहे हैं। प्रत्येक प्रखण्ड में मॉडल स्कूल खोला जा रहा है। जुलाई महीने में डिग्री कॉलेज की शुरूआत करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत तथा आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार बनाने के सपने को साकार करने के लिये हमलोग काम कर रहे हैं। ज्ञानार्जन सभी के लिये जरूरी है। ज्ञानार्जन से ही धनार्जन किया जा सकता है, वही सही रास्ता है। जीवन में सफलता के लिये ज्ञानार्जन जरूरी है। अनुसूचित जनजाति के लिये थरूहट विकास योजना के तहत पश्चिम चम्पारण में 180 करोड़ रूपये के विकास कार्य कराये गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में मैराथन का आयोजन होगा। इसमें प्रथम विजेता को 1 लाख, द्वितीय विजेता को 75 हजार एवं तृतीय विजेता को 50 हजार रूपये का इनाम मिलेगा। कैमूर के अधौरा में जहां आदिवासी समाज के लोग संघर्ष का जीवन जी रहे हैं, वहां भी डिग्री कॉलेज खोला जायेगा। वाल्मीकिनगर तथा कैमूर में हेलीपोर्ट बनाये जायेंगे, इससे इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। आदिवासी समाज के बीच पर्यटकों के लिये होम स्टे को बढ़ावा दिया जायेगा, इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोग आदिवासी संस्कृति को भी बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। आदिवासी समाज की उन्नति एवं समृद्धि के लिये हमलोग काम कर रहे हैं। यहां उपस्थित छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की हम कामना करते हैं।

कार्यक्रम को उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री लखेन्द्र कुमार रौशन ने भी संबोधित किया।

संवाद कार्यक्रम के तहत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना के लाभुकों ने अपने–अपने अनुभव एवं प्रेरणादायी विचार मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री लखेन्द्र कुमार रौशन ने अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर0 पुडुकलकट्टी ने हरित पौधा भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की योजनाओं पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गयी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ0 गोपाल सिंह, शिक्षा विभाग के सचिव श्री विनोद सिंह गुंजियाल, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर0 पुडुकलकट्टी सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

******